B.Ed Ist year — 2 May 2020, Saturday

Growing UP AS A learner

Karl G. Jung's Theory of Personality

कार्ल जुंग का जन्म → 1875 स्विट्जरलैण्ड।
बेसल विश्वविद्यालय → चिकित्सकीय उपाधि 1900।
जुंग का सिद्धान्त → नयी विचार धारा सिद्धान्त।
देहावसान → 6 जून 1961।

जुंग के सिद्धान्त के प्रमुख तत्व

1- लिबिडो → का अर्थ 'व्यापक'

2- अचेतन → ① व्यक्तिगत अचेतन ② सामूहिक अचेतन।
- व्यक्तिगत अचेतन ↓ ऐसी इच्छायें जिनका शमन / दमन हो चुका
- सामूहिक अचेतन ↓ वंशानुगत इच्छाओं, स्मृतियों और प्रेरणाओं का समावेश

3- आद्य प्रारूप — सामूहिक अचेतन और आद्य प्रारूप में घनिष्ठ सम्बंध।

4- पर्सोना — नकाब या मुखौटा पहनकर समाज में अपना स्थान।

5- एनिमा और एनिमस — स्त्रीत्व और पुरुषत्व दोनों का व्यवहार प्रदर्शित करने की क्षमता।

6- छाया — व्यक्तित्व में पाशविक प्रवृत्तियाँ।

7- आत्मभाव — व्यक्ति के अन्दर निहित 'आत्मभाव'।

अन्तर्मुखता
- ⇒ आत्मकेन्द्रित व्यक्ति।
- ⇒ बाहरी संसार से कोई लगाव नहीं।
- ⇒ एकांतप्रिय, संघर्षशील।
- ⇒ मानसिक संघर्ष से ग्रस्त।
- ⇒ कला, साहित्य व संगीत के क्षेत्र में उन्नति।

बहिर्मुखता
- ⇒ समाज प्रिय।
- ⇒ बाह्य संसार के प्रति अधिक लगाव।
- ⇒ सांसारिक जीवन में ऊँची अभिलाषा।
- ⇒ बाह्य पदार्थों की खोज।
- ⇒ समाज सुधार व राजनीति क्षेत्र में अधिक उन्नति।
- ⇒ सफलता प्राप्त न होने पर निराशा नहीं।

उभयमुखी → दोनों के गुण।

☞ → फ्रायड के व्यक्तित्व की तुलना में जुंग का व्यक्तित्व सिद्धान्त न व्यापक न व्यवस्थित।

Scanned with CamScanner